# एकल नारी शक्ति संस्थान, राजस्थान

## वार्षिक रिपोर्ट
## 2021-22

क्षेत्रीय कार्यालय- 3, पीपल्दा हाऊस, राजभवन रोड़, कोटा ( राज. ) 324001 पंजिकृत कार्यालय- 39, खारोल कॉलोनी, उदयपुर ( राज. )
**Ph.:** 0744-2450726, **Email:** enssrajasthan@gmail.com, ensskota@gmail.com

# अनुक्रमणिका


| क.सं. | विवरण | पेज नं0 |
|---|---|---|
| 1. | ➢ आवरण पृष्ठ | 0 |
| 2. | ➢ अनुक्रमणिका | 1 |
| 3. | ➢ संस्थान की पृष्ठभूमि, लक्ष्य, उद्देश्य | 2 |
| 4. | गतिविधियॉ<br>▪ कोरोना राहत कार्य<br>▪ बहिनादूज जश्न बहिनचारें का......<br>▪ एकल महिला नैतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण.. | <br>3–4<br>5–6<br>6–7 |
| 5. | सफल केस स्टडी<br>➢ बहिनों से हक त्याग की अपील...<br>➢ मुसीबत मे बढ़ते हाथ..... | 8 |
| 6. | बैठके | 9–11 |
| 7. | ➢ संस्थान के अन्य कार्यक्रम –<br>▪ महिला किसान जागरुकता कार्यक्रम<br>▪ राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच<br>▪ प्रशासन गांव के संग शिविर | <br>11–14 |
| 8. | सफल केस स्टडी – | 15–16 |
| 9. | अन्य संस्था /संगठन के साथ कार्यक्रमों मे भागीदारी | 17 |
| 10. | वार्षिक कार्य के आंकड़े | 17–20 |
| 11. | प्रकाशन | 20 |
| 12. | महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र | 21 |
| 13. | ➢ संस्थान के मुद्दे, उपलब्धियॉ, सीख, चुनौतियॉ | 22–23 |
| 14. | मिडिया कवरेज | 24 |

# एकल नारी शक्ति संस्थान– राजस्थान

## वार्षिक प्रतिवेदन
## 1 अप्रेल 2021– 31 मार्च 2022

### ❖ पृष्ठभूमि –

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान की गरीब मजबूत एकल महिलाओ की मजबूत संस्थान है। जिसमे सभी आय, वर्ग, धर्म व जाति की बहिने जुडी हुई है। संस्थान राजस्थान मे एकल महिलाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से पिछले 20 वर्षो से कार्य कर रही है।

सरंस्थान द्वारा एकल महिलाओं के सशक्तिकरण, उन्हें मजबूती प्रदान करने व एकल महिलाओं के समस्या समाधान, व पिड़ित व वंचित समूह के लिए राहत कार्य के उद्देश्य से 1 अप्रेल 2021 से 31 मार्च 2022 तक विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित गतिविधियां क्रियान्वित की गई।

### संस्थान का लक्ष्य

**सभी समाज की गरीब एकल महिलाऐं पारस्परिक सहयोग से अपनी शारीरिक मानसिक,पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक एंव कानूनी स्थिति में सुधार लाकर सशक्त नागरिक बने ओर गुणवत्तापूर्ण जीवन जीयें। इस संघर्ष की प्रक्रिया में अपने में और समाज में शक्ति का संचार करे।**

### संस्थान के उद्देश्य

- ❒ एकल महिलाओं को सम्मान से जीने का अधिकार दिलाना।
- ❒ सम्पत्ति और जमीन का अधिकार दिलाना और उन्हें अत्याचार से मुक्ति दिलाने का प्रयास।
- ❒ एकल महिलाओं मे शक्ति का संचार हो सके, इसलिए उन्हे एकल नारी शक्ति संस्थान से जोड़ना व संगठित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित करना।
- ❒ एकल महिलाओं से जुड़ी पारंम्परिक कुरितियों एंव रुढ़िवादिता मे बदलाव लाना।
- ❒ एकल नारी हितैषी योजना/कानून लागू करवाना एंव बेहतर क्रियांवयन करवाना।
- ❒ कानून की नितियों एंव सरकारी योजनाओं से लांभान्वित करने के लिए एकल महिलाओं की मदद करना।
- ❒ सामूहिक प्रयास से आय संवर्धन योजनाओं को लागू करवाना, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ मिल सके।

# इस वर्ष की संस्थान की गतिविधियॉ व कार्य

## संस्थान द्वारा कोराना राहत कार्य :

## कोराना काल मे एकल महिलाओं को मिला सहयोग ...

राहत सामग्री वितरण करती संगठन की सदस्या

हम सभी जानते है कि कोविड –19 की दूसरी लहर बहुत ही भयानक आई जिसमें कोराना के कारण सैकंडो जिन्दगियॉ पलो मे ही समाप्त हो गई, इस कोविड काल के कारण देश मे हजारें लाखों बहिने एकल हो गई ओर हजारों बच्चे अनाथ हो गये। ऐसी स्थिति मे जब एकल बहिनों के पास कोई आजिविका का कोई साधन नही था और बच्चाों का भरण पोषण करने वाला कोई नही था। उस स्थिति मे राजस्थान मे एकल नारी शक्ति संस्थान/संगठन की बहिनों द्वारा ऐसी एकल बहिनों की पहचान की गई जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय थी। ऐसी महिलाओं को संगठन द्वारा पहचान कर आर्थिक मदद व राशन सामग्री देकर सहयोग किया गया। जून 2021 व 12 अगस्त से 14 सितम्बर 2021 तक संगठन की सदस्याओं ऐसी गरीब वंचित एकल महिला व अनाथ बच्चें जिनकें माता पिता की कोरोना काल मे मृत्यु हो गई उनकी पहचान कर सूचियॉ बनाई गई और राजस्थान मे 16 जिलों के 36 ब्लाक की 99 पंचायत व 29 वार्डो मे 3520 एकल महिला परिवारों को एक माह की सूखी सामग्री का वितरण की गयी । इसके साथ **ही 27 जिलो की** 193 एकल महिला व कुछ अनाथ बच्चें जिनका आजिविका का कोई सहारा नही था, उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान कर सहयोग किया गया।

एकल महिला लीडर्स व सदस्यों द्वारा 72 ब्लाकों मे पंचायत स्तर पर कोरोना टीकाकरण जागरुकता अभियान चलाया गया। जिसके तहत् संस्थान द्वारा प्रकाशित कोविड से बचाव के पेम्फलेट्स वितरण किये गये व कोविड से बचाव के उपाय व उपचार के बारें में बताया गया। कोविड काल में संस्थान की हर स्तर की एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं ने इस स्थिति से लड़ने व उसमें सुधार लाने का पुरजोंर प्रयास किया।
इस कार्य के दोरान संगठन कार्यक्षेत्र की 100 से अधिक पंचायतों मे एकल महिला लीडर्स को एक दूसरें के कार्यक्षेत्र मे जाने सीखने समझने का मौका मिला। जिससें संगठन के काम को भी मजबूती मिली।

## कोविड राहत कार्य से जुड़ी कुछ केस स्टडी –

1. भूरी बाई 45 वर्षीय विधवा दलित महिला है, यह कोटा मे रहती है व बहुत ज्यादा गरीब है। भूरी बाई सफाईकर्मी का कार्य करती है और उसके 3 बच्चें है। कोरोना से पहले भूरी बाई कोचिंग क्षेत्रों मे जाकर शौचालय सफाई करकें 5–6 हजार रुपये कमा लेती थी। लेकिन कोरोना के कारण कोचिंगे बन्द होने से भूरी बाई का काम भी बन्द हो गया। कोरोना मे अपना व बच्चों का पेट भरना मुश्किल हो गया। अब भूरी बाई प्रति घर से 1 रोटी के बदले सफाई का काम करने लगी। जिससें पेट पालन भी मुश्किल था। संगठन की और से उसे कोविड रिलिफ वर्क के दोरान 1 माह का राशन व कुछ आर्थिक मदद दी गई। जिससें उसें काफी राहत मिली।

2. पार्वती बाई परित्यकता एकल महिला है, जो कि कबाड़ बेचने का कार्य करती है, पार्वती बाई के दो छोटे बच्चें भी है, और वह प्रतिदिन कचरा उठाने जाती है, लेकिन कोविड के कारण व घर से बहार नही निकल पायी ऐंसी स्थिति मे बच्चो की और उसकी भूखे मरने की नौबत आ गई। संगठन की एकल महिला लीडर्स ने उसकी पहचान की और उसके पति द्वारा उसे परेशान किया जा रहा था, उसके लिए महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र पर उसे पाबन्द करवाया। और उसे एक माह की राशन सामग्री भी दी गई। पार्वती एक ऐसी महिला थी जिसके पास सामग्री लेने आने के लिए किराया भी नही था। संगठन की बहिनों ने उसे किराया भी दिया। इस राशन सामग्री से उसे बहुत राहत मिल।

3. झाम्बुडी बाई, गांव/पंचायत वडली, पंचायत समिति पिण्डवाडा जिला सिरोही की रहने वाली हैं। वह एकल महिला नही थी, परन्तु दिनांक 17.8.21 को जब इस पंचायत में राशन सामग्री वितरण करने गये तो झाम्बुडी बाई अपने 2 छोटे बच्चों के साथ रोती हुई पहुंची और बताया कि मेरा पति गम्भीर रूप से बीमार है, काफी आर्थिक स्थिति खराब है। सभी संगठन के सदस्यों के कहने पर इसे राशन सामग्री दी गई लेकिन पता चला दूसरे ही दिन उनके पति की मृत्यु हो गयी। स्थानीय लोगों का कहना था कि इस सामग्री से स्वयं व इसके 2 छोटे बच्चों को कुछ तो राहत मिली।

4. जिला उदयपुर_गिर्वा पंचायत समिति के ब्लॉक पडूणा की ग्राम पंचायत अमरपुरा में जब दिनांक 18 अगस्त, 2021 को राशन वितरण हेतु गए हुऐ थे, उसी दौरान कुछ महिलाएं पूर्व में बिना चयनित सूची से वहा एकत्रित थी। संगठन सदस्यों ने प्राथमिकता तय करने को कहा कि इतनी महिलाओं मे से किसे सबसे ज्यादा राशन की आवश्यकता है, तो सबसे पहली प्राथमिकता ऐसी अविवाहित बालिका थी निरमा जिसके साथ 2 छोटे भाई भी एक घर में अकेले रहते हैं, अपना गुजारा कर रहे हैं। पूछने पर पता चला 3 वर्ष पूर्व इनकी मां पिता द्वारा किये जाने वाले झगडों से तंग आकर अन्यत्र चली गई। ओर कुछ सयमय बाद पिता की भी मृत्यु हो गई, उसके बाद इन बच्चों ने तय किया कि हम अकेले ही रहेंगे, इनकी रिश्ते मे एक बुआ है, जो कभी–कभी कुछ सहयोग करती है पर घर में अकेले हैं, बच्चे छोटे–मोटे काम करके अपना गुजारा करते हैं। सभी बहिनो ने उन्हें राशन दिलवाया ओर तय किया कि इन्हे सारी सरकारी योजनाओं से भी जोड़ेगे व लाभ दिलवायेंगे। राशन कीट पाकर निरमा व उसके भाई बहिन बहुत खुश हुऐ।

# बहिनादूज "जश्न बहिनचारें का " कार्यक्रम

## जिला, ब्लाक व पंचायत स्तर पर बहिनों ने धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया जश्न ..

**लाल चुनरियॉ ओढेगे, बहिनादूज मनायेगे, बहिनचारें के जश्न मे हम सब संग मे...........**

इस प्रकार के जोशपूर्ण नारो, गीतो ,ढोल व डीजे के साथ एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा दिनांक 08—13 नवम्बर, 2021 तक राजस्थान के 27 जिलो की 75 ब्लाक की 226 पंचायतों मे धूमधाम व उत्साहपूर्वक बहिनादूज जश्न बहिनचारें का त्यौहार मनाया गया। जिसमें **5418** एकल महिला व 210 जनप्रतिनिधी, मिडियाकर्मी, आंगनबाडी कार्यकर्ता व अन्य सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बहिनचारें को मजबूती देना ताकि महिला का महिला से ओर अधिक रिश्ता मजबूत हो एक दूसरें के संघर्ष व दुख सुख मे साथ खड़ी हो व संगठित होकर अपनी व अन्य बहिनों की मदद करे। इस कार्यक्रम मे सभी जाति, धर्म समुदाय की बहिने बढ़ चढकर भाग लेती है, जिससें सामाजिक साम्प्रदायिक सोहार्द की भावना को ओर मजबूती मिले।

इस छः दिवसीय आयोजन मे बहिनों के द्वारा जिला स्तर , ब्लाक स्तर व पंचायत स्तर पर धूमधाम से इस उत्सव का आयोजन किया। संस्थान द्वारा कोटा, टोंक, झालावाड़ व अजमेंर मे बहिनों ने जिला स्तर पर इस कार्यक्रम का विशाला आयोजन किया। कोटा मे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त के0सी0मीणा, महिला अधिकारिता विभाग उपनिदेशक मनोज मीणा, राजस्व अपील अधिकारी भागवंती जेठवानी, मुख्यकार्यकारी अधिकारी ममता तिवाडी, उपनिदेशक स्थानीय निकाय दिप्ती मीणा, सहायक कलेक्टर पार्थवी व अन्य संस्था/संगठन के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। अजमेर, झालावाड़ व टोंक जिला स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा भाग लिया गया। ब्लाक व पंचायत स्तर के बहिनादूज कार्यक्रम मे सरपंच, सचिव, वार्ड पंच, अध्यापक, आंगनबाडी कार्यकर्ता व अन्य पंचायत स्तरीय सरकारी व गैर सरकारी विभाग के प्रतिनिधियों के द्वारा इस कार्यक्रम मे भाग लेकर व सहयोग करके सफल बनाया गया। कार्यक्रम के दोरान सभी बहिनों ने बहिनादूज की रश्म निभाते हुऐ एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधा व साथ निभाने का वादा किया।

**<u>प्रधानमंत्री को ज्ञापन –</u>**

**एकल महिलाओं द्वारा राजस्थान के 27 जिलों के 75 ब्लाकों से प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी जी के नाम अपनी समस्याओं का ज्ञापन भेजा गया –**

जिसमे पेशंन राशि 3000 रु तक बढाने, राशन का अनाज 5 किलो से 15 किलो प्रति व्यक्ति करने, एकल महिलाओं को आवास उपलब्ध करवाने व सलेण्डर के दाम कम करने से जुडी मांगे भेजी गई।

**मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को भेजे पोस्टकार्ड –**

राजस्थान के 27 जिलो की एकल महिलाओं ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को 8500 पोस्ट कार्ड डाले। जिसमें राजस्थान मे खाद्य सुरक्षा पोर्टल जल्दी वापस शुरु करने, पेशन राशि 3000 रु करने , एकल महिलाओं को आवास योजना मे प्राथमिकता, जैसी समस्याओं व व्यक्तिगत समस्याओ लेकर पोस्टकार्ड डाले गये।

**बहिनादूज जशन बहिनचारें का कार्यक्रम को सफल बनाने हेतू सभी बहिन व भाई सहयोगी साथीयों ने चन्दा व सहयोग देकर इस बहिनादूज कार्यक्रम को सफल बनाने मे सहयोग किया। सभी के प्राप्त सहयोग से केश एण्ड काईन्डस के रुप मे संस्थान को प्राप्त सहयोग व राशि प्राप्त हुई : 1,22,045.00 (अक्षरें :– एक लाख बाईस हजार पैतालिस रुपये )**

# एकल महिला नैतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण –

## ➢ राज्य स्तरीय एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण –

**प्रशिक्षण के दोरान समूह मे प्रस्तुती देती संभागी**

राज्य स्तरीय एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं का संस्थान द्वारा दिनांक 28–29 मार्च 2022 को दो दिवसीय प्रशिक्षण आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर मे आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य राज्य स्तरीय एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं मे शक्ति जोश का संचार करना, उनकी जिम्मेदारी भूमिका के बारें मे समझाना, संस्थान व संगठन का ढ़ाचा व सम्बन्ध को समझना, चुनाव प्रक्रिया की जानकारी, संगठन की संस्थान की मजबूती व निर्णय प्रक्रिया को समझने हेतू किया गया। प्रशिक्षण मे 75 संभागियों ने भाग लिया व दो दिवसीय प्रशिक्षण के मूल्यांकन सत्र के दोरान अपने विचार रखते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण काफी लम्बे समय बाद हुआ है, प्रशिक्षण काफी उपयोगी रहा और नये लीडर्स ने कहा कि उनका नया चयन हुआ है, तो इस प्रशिक्षण मे काफी कुछ सीख लियां।

## ➢ एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण –

दिनांक 3–4 जनवरी 2022 को संस्थान द्वारा दो दिवसीय एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ता प्रशिक्षण राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान मे आयोजित किया गया। जिसमें 45 ब्लाक नैतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देंश्य – एकल महिला ब्लाक नैतृत्कर्ताओं का क्षमतवार्धन करना, ब्लाक मे कैसे मजबूती के साथ कार्य करना सीखना, संगठन का महत्व व इतिहास समझना, जानकारी, बैठको मे आये केसो पर कैसे कार्य करना क्या सावधानियॉ रखनी है व स्थानीय स्तर पर कैसे चन्दा लाना है इन सभी के बारें मे सीखने हेतू यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
जिसमें मूल्याकंन मे निकलकर आया कि 40 मे से 29 लीडर्स की समझ काफी अच्छी बनीं।

**प्रशिक्षण के दोरान समूह चर्चा करती संभागी**

## ➢ कार्यकारिणी सदस्य क्षमतावर्धन प्रशिक्षण –

दिनांक 30–31 जनवरी 2022 को एकल नारी शक्ति संस्थान, कोटा कार्यालय मे संस्थान कार्यकारिणी सदस्यों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गयां। जिसमें 10 कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देंश्य – कार्यकारिणी को संस्थान प्रबन्धन व प्रशासनिक कार्य, कार्यक्रम बजट बनाना, संस्थान विधान नियमावली को समझना, पदाधिकारीयों व कार्यकारिणी सदस्यों की भूमिका व जिम्मेदारी व लेखा शाखा निरिक्षण करना आदि सिखाया गया।

**कार्यकारिणी सदस्य क्षमतावर्धन प्रशिक्षण में समूह चर्चा की प्रस्तुती देते संभागी**

## सफल केस स्टडी

# बहिनों से हक त्याग की अपील तहसीलदार को पड गई भारी ..

### अब ना बनाओं कोई नया किस्सा, बेटियों को दो जमीन सम्पत्ति मे हिस्सा...

दिनांक 22 अगस्त 2021 को रक्षा बन्धन के मौके पर कोटा जिले की दीगोद तहसील के तहसीलदार द्वारा रक्षा बन्धन के मौके को यादगार बनाने हेतु बहिनों से स्वैच्छिक हक त्याग करने की अपील जारी कर दी गई। जिस समय सभी बहिने अपने पीहर मे अपने भाईयों को राखी बांधने गई हुई थी। इस विज्ञप्ति के बारें मे संगठन की समन्वयक चन्द्रकला शर्मा को रात्रि मे एक मिडिया कर्मी का फोन आया, ओर उन्होंने जानना चाहा कि तहसीदार द्वारा कि गई अपील के बारें में आपका विचार क्या है ? चन्द्रकला शर्मा ने अपने वर्जन मे संगठन की तरफ से इस तरह की सोच व नजरिया रखने को नकारा ओर इसका विरोध किया। इस तरह की यह खबर जानने के बाद संगठन सदस्यों द्वारा इसका विरोध किया गया व बाकि महिला संगठनो के साथ सम्पर्क कर उनको पूरी जानकारी दी, साथ ही कोटा डिविजनल कमीश्नर व मुख्यमंत्री को संगठन द्वारा तहसीलदार द्वारा की गई गई सार्वजनिक अपील बहिनों के स्वैच्छिीक हक त्याग की अपील के लिए सार्वजनिक रुप से माफी मांगने व निलम्बित करने हेतू ज्ञापन भेजा गया। एकल नारी शक्ति संगठन के नैतृत्व मे दो दिन बाद तहसीलदार को 24.08.2021 सस्पेंड किया गया।

## सफल केस स्टडी

# मुसीबत मे बढ़ते मदद के हाथ ........

### वाट्सअप ग्रुप के माध्यम से मृतक के परिवार व बीमार पोते के लिए जुटाया सहयोग

**जिला करोली** तह0 करोली पंचायत मामचारी मे अगस्त 2021 मे भूरा जाटव उम्र 38 वर्ष ससुराल कल्याणी गांव मे रहता था। वह काम करने के लिए कोटा आया। परिवार मे पत्नि व चार छोटे बच्चे है। जब कोटा आया तो 2 दिन काम किया ओर उसके बाद व मृत मिला। उसके परिवार की स्थिति बहुत ही दयनीय थी। घर मे छोटे छोटे बच्चों के पास खाने को कुछ नही ऐसे मे संगठन कार्यकर्ता व सदस्यों ने अन्य लोगो को जोड़कर एक वाट्स ग्रुप बनाया। परिवार के सहयोग के लिए लोगों से 25000 रु का चन्दा एकत्रित कर सहयोग किया। जिससे पिड़ित परिवार को बहुत सहयोग मिला।

**जिला झालावाड़ :** तहसील झा0पाटन पंचायत टाडी सोहनपुरा की निवासी सावित्री बाई जो कि विधवा गरीब महिला है, कोविड की दूसरी लहर के समय उसके 2 साल के पोते की तबियत बहुत खराब हो गई थी। जिसके कारण उसकी आंतो का आपरेशन करना पड़ा। उस समय कोराना के कारण किसी सरकारी अस्पताल मे बच्चे का ईलाज नही हो पाया। ऐसे मे संगठन कार्यकर्ताओं ने वाट्सअप पर यह समस्या साझा की तो संगठन की बहिनो व अन्य भामाशाह ने 21000 / रु का चन्दा उसके ईलाज के लिया दिया।

# संस्थान द्वारा आयोजित आवश्यक बैठके –

## ❒ प्रतिमाह पचायत स्तरीय बैठकों का आयोजन –

पंचायत स्तरीय बैठक

पंचायत स्तरीय बैठके बहुत ही महत्वपूर्ण है, इन बैठको के माध्यम से संगठन सदस्य व एकलमहिलाऐं प्रतिमाह एक साथ बैठक मे मिलते है, परस्पर एक दूसरे के दुख सुख को बांटते है, और एक दूसरे की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करते है। इस वर्ष संस्थान कार्यक्षेत्र की 475 पंचायतों मे प्रतिमाह पंचायत स्तर पर बैठके आयोजित की गई। जिसमे 57,729 एकल महिला, 12997 अन्य महिला, 4696 पुरुष व 3043 प्रशासनिक व जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठकों मे एकल महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दें, समस्याओं पर चर्चा करके उनके समाधान के प्रयास किये गये – जैसे एकल महिलाओं पर हिंसा या भूमि अधिकार सम्बन्धित केस, नरेगा कार्य, राशन, सरकारी योंजनाओ का लाभ व जानकारी पर कार्य किया गया। इसके साथ ही स्थानीय स्तर के मुद्दों पर भी कार्य किया गया।

## ❒ एकल महिला ब्लाक स्तरीय सदस्य बैठके –

ब्लाक स्तरीय बैठक बीडीओ को ज्ञापन देते हुऐ

ब्लाक स्तरीय बैठके प्रतिवर्ष एक वर्ष मे 3 बार आयोजित की जाती है, परन्तु इस बार मई व जून मे कोराना गाईड लाईन के कारण वर्ष मे एक ही बैठक आयोजित की गई। इस वर्ष 81 ब्लाको मे ब्लाक कमेटी सदस्य बैठके आयोजित की गई, क्योंकि कोरोना के कारण कई ब्लाक मे मिटिंग नही हो पायी, आयोजित की गई ब्लाक बैठकों में एकल महिलाओं के पंचायत स्तरीय व ब्लाक स्तरीय मुद्दों व समस्याओं के समाधान पर कार्य किया गया। इसके साथ ही एक दूसरी पचायत के कार्य के अनुभवो का आदान प्रदान किये गये। सदस्यों ने सफल केस स्टडी व पंचायतों के काम को कैसे और मजबूती प्रदान करे इसके बारें मे चर्चा की गई व कई ब्लाक मे थाना भ्रमण करवाया गया।

## ❐ ब्लाक नैतृत्वकर्ता (ब्लाक फेसिलीटेटर ) मासिक बैठके –

इस वर्ष एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ताओं की कोटा, उदयपुर कलस्टर मे 10 मासिक बैठके आयोजित की गई। जिसमें 10 माह की मासिक बैठको मे 656 ब्लाक फेसिलिटेटर्स ने भाग लिया। इसमे अनुमानित फेसिलिटेटर्स प्रति बैठक 65–66 रहे। बैठक मे प्रतिमाह किये गये पंचायत कार्य की रिर्पोट प्रस्तुतीकरण, दस्तावेजीकरण निरिक्षण, आगामी आयोजना पर चर्चा, पंचायत बैठको का एजेण्डा तय करना, क्षमतावर्धन प्रशिक्षणों पर चर्चा, आयोजना बनाना व कार्य के दोरान आने वाली समस्याओं व चुनौतियों के समाधान पर चर्चा की गई।

## ❐ कार्यकारिणी सदस्य बैठके –

इस वर्ष एकल नारी शक्ति संस्थान की आवश्यकतानुसार वर्ष मे तीन बैठके आयोजित की गई। जिसमें संस्थान की सम्बन्धित आवश्यक निर्णय, नये एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ताओं की नियुक्ति उनका मूल्यांकन, संगठन व संस्थान के कार्य का मूल्याकंन, संस्थान खर्च सम्बन्धित निर्णय, संस्थान के कार्य हेतू डोनेशन लाने, वार्षिक कार्य रिर्पोट पर चर्चा की गई। इस वर्ष की गई बैठकों का विवरण निम्नलिखित है –

संस्थान कार्यकारिणी सदस्य बैठक का आयोजन

- दिनांक : 29 जुलाई 2021 संभागी : 12 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर
- दिनांक : 28 नवम्बर, 2021 संभागी : 10 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर
- दिनांक : 17 दिसम्बर, 2021 संभागी : 10 स्थान : ईएनएसएस कार्यालय, कोटा

## ❐ संस्थान आमसभा सदस्य बैठक –

एकल नारी शक्ति संस्थान की आमसभा सदस्य बैठक वर्ष मे एक बार आयोजित की जाती है। इस बार की वार्षिक आमसभा सदस्य बैठक 28 नवम्बर 2021 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर मे आयोजित की गई। जिसमें 40 संभागियें ने भाग लिया। बैठक में संस्थान की वार्षिक प्रगति रिर्पोट, वार्षिक गतिविधियॉ, आय व्यय खच्र रिर्पोट, संस्थान के लिए आडिटर का चयन, एक साल के कार्य का मूल्यांकन व संस्थान संगठन व एकल महिलाओं के कार्य को मजबूती देने हेतू चर्चा की गई।

## ❒ एकल महिला नैतृत्वकर्ता राज्य स्तरीय बैठके –

एकल महिला नैतृत्वकर्ताओ की राज्य स्तरीय बैठक वर्ष मे तीन बार आयोजित की जाती है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य स्तरीय बैठक वर्ष मे तीन बार आयोजित की गई। जिसमें चार माह की जिलेवार कार्य रिर्पोटिंग का प्रस्तुतीकरण, एकल महिलाओं द्वारा सफल व विशेष केस का प्रस्तुतीकरण, एकल महिलाओं के विशेष मुद्दें पर कार्य करने पर चर्चा, विशेष गतिविधियॉ, कार्यक्रम की आयोजना बनाना, क्षेत्र मे आने वाली समस्याऐं व चुनौतियॉ, समाधान पर चर्चा व स्थानीय स्तर चन्दा एकत्रित करने पर चर्चा की गई। तृतीय राज्य स्तरीय बैठक 28 मार्च 2022 को एक दिवसीय ही आयोजित की गई, क्योंकि बैठक के साथ डेढ दिन का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। इस वर्ष आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय एकल महिला बैठको मे 193 राज्य स्तरीय एकल महिला नैतृत्कर्ताओं ने भाग लिया। इस वर्ष की जाने वाली बैठकों का विवरण –

1. **दिनांक : 29–30 जुलाई, 2021 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर संभागी – 53**
2. **दिनांक : 28–29 नवम्बर, 2021 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर संभागी – 65**
3. **दिनांक : 28.03.2022 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, उदयपुर संभागी – 75**

# संस्थान के अन्य कार्यक्रम –

## महिला किसानों के साथ महिला किसान जागरुक कार्यक्रम

***जैविक खेती ही है हल, आज नही तो कल,***
***जैविक खेती रोग भगाये, किसानों की आय बढाऐ,***
***जैविक खेती ग्लोबल वार्मिंग घटाऐ***
***आज नही तो कल, जैविक खेती ही है हल .......***

आस्था संस्थान के सहयोग से एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा राजस्थान के 8 जिलो के 16 ब्लाक की 32 पंचायतो मे किसान महिलाओं के साथ खेती किसानी प्रयोग जागरुकता कार्यक्रम पिछले 2 साल से आयेजित किया जा रहा है। जिसके तहत् खेती किसानी के कार्य से जुडी महिला किसानो की आय बढाने हेतू अलग–अलग प्रयोग किसान बहिनों के साथ किये जा रहे है, ताकि उनकी महिला किसान के रुप मे पहचान बने व अपनी आय बढ़ा सके। उसके साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाकर अपने परिवार के पोषण का ध्यान रख सके।

1 **किचन गार्डन** – महिलाओं को पोषण उपलब्ध करवाने के उद्‌देश्य से उनके घर आंगन, और खेत में थोड़े पानी से भी मौसमी सब्जियां उगाने का प्रयोग किया हैं। इसी क्रम में लगभग सभी

समूह के 4–5 महिलाएं मौसम के अनुसार टमाटर, बेंगन, सेमफली, पालक, मेथी, धनिया, लहसन, प्याज, मूली, मिर्च, भीण्डी, गवार, तुरई, लौकी आदि उगाकर उपयोग कर रहे है।

2 **वर्मीकम्पोस्ट और देशी खाद बनाना**– पीण्डवाड़ा और झाड़ोल के 3–3 महिलाओं ने वर्मी कम्पोस्ट तैयार किया है। गड्डे बनाकर खाद बनाना और केचुआ खाद नियमित रूप से बना रहे है।

3 **देषी व जैविक खाद का उपयोग** – मक्का, चावल, अरवी, रतालु, सफेद मूसली, अदरक, हल्दी, मिर्च, तुअर आदि की फसले पक कर तैयार हुई है। महिला किसानों के घर पर कृषि फसलों से अतिरिक्त आय के साथ घर पर खाने के लिए पर्याप्त अनाज हुआ है जिससे घर परिवार को पोषण मिला है। महिलाओं का कहना है कि घर पर उपयोग करने के लिए उगाये गये अनाज में अब देशी खाद का ही प्रयोग करते है। रबी की फसले गेहूं, चना, जौ, सरसो, आदि की बुवाई हुई है और इन फसलों में घर पर ही तैयार देशी गोबर का खाद झाड़ोल, पीण्डवाड़ा में महिला किसानों ने उपयोग किया है। सब्जियों में भी गोबर का देशी खाद ही उपयोग किया गया है।

4 **मुर्गीपालन** – पीण्डवाड़ा, और गलियाकोट ब्लॉको के कुल 4 किसान महिला समूहों की 40 महिलाओं को मुर्गीपालन का प्रशिक्षण दिलाकर 6 सप्ताह के 10– 10 चुजे प्रत्येक महिला को दिलाया गया है। इन चुजों के लिए पोषण आहार स्वयं महिलाओं ने ही खरीदा है। अभी ये चुजे बड़े हो गए है। महिलाओं का कहना है कि इन चुजे से मुर्गी के अण्डों से संख्या बढाकर मुर्गे तैयार करके आजीविका चलाएंगे। नादिया निवासी लक्ष्मीबाई ने बताया कि अकलेश्वर नस्ल के चुजे मिलने से आजीविका का नया स्रोत मिला है एक वर्ष में इनकी संख्या बढाकर दुगुनी कर देंगे और अण्डे व मुर्गे बेचकर आजीविका चलाएंगे।

5 **औषधिय पौधे** – मानसून के दौरान वन विभाग के माध्यम से ग्राम पंचायतों में निःशुल्क औषधिय पौधे वितरित किए गये थे जिनमें तुलसी, सहजन, नीम, आंवला, आदि के पौधे माकड़ादेव, सेलाणा, धरियावद ब्लॉक में महिलाओं ने खेतों के किनारे पौधरोपण किया है।

## जैविक खेती की पद्वति सीखने के लिए शैक्षणिक भ्रमण

## समय की है एक ही मांग, जैविक खेती अपनाये किसान

दिनांक 23 से 28 नवम्बर 2021 को अहिल्यामाता गौशाला इन्दैार मे आयोजित छः दिवसीय कार्यशाला मे प्राकृतिक, जैविक खेती की पद्वति सीखने हूते देश के विभिन्न राज्य राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर–प्रदेश, मध्यप्रदेश के किसानों ने भाग लिया। ओर प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम मे एकल नारी शक्ति

संस्थान की 3 महिला किसान लीडर्स ने भाग लिया।

छः दिवसीय कार्यक्रम के दोरान बायो इनपुट सेंटर की पंचायत या ग्राम स्तर पर आवश्यकता, मटका खाद, बिस्तर खाद, कान्दा पानी घोल जैसे इनपुट की तैयारी की प्रक्रिया, कीड़ों का प्रबन्धन जिसमें खाद, पत्तियों एव ं फसलों के रस को निचोड़ देने, चवाले कीड़ों के बारे में जानकारी दी गई एवं उनको घरेलू एव ं देसी तरीके से कम खर्च वाले बचाव के उपाय भी बताए जैसे अदरक–लहसून एव ं मिर्च का घोल, छाछ छिडकाव आदि। प्रशिक्षण के तीसरे दिन किसानों को माण्डलेश्वर के बीआरसी (जैव इनपुट संसाधन) केन्द्र पर ले जाया गया, जहा ंविस्तृत रूप से जैविक फर्टिलाईजन, पत्तियों के रस से कीटों से बचाव के लिए बनाए जा रहे सोल्यूशन के बारें मे बताया गया।
चौथे दिन जागृति जैविक इकाई डेढ़तलाई, वरहनपुर का दौरा किया गया जहा ंAKRSP तहसीकी सहयोग से ''जय अम्बे महिला समूह'' द्वारा संचालित BRC का भ्रमण एव ं उनके संचालन में आ रही मुश्किलों की जानकारी एव ं महिलाओं द्वारा सुव्यवस्थित रूप स केन्द्र को चलाने के तरीके पर चर्चा की गई। पांचवे दिन किसानों को भिन्न समूहों में बांटकर उनके द्वारा BRC खोलने का बिजनेस प्लान एव ं मोडल तैयार करवाना सिखाया गया।

## राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की बैठक आयोजित

### कोविड काल में भोजन–ईलाज नहीं मिलने से मर गए कई – दलजीत

**दस राज्यों की एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं का मंथन**
**समस्याओं व अधिकारों पर चर्चा कर बनाई संघर्ष की रणनिति ।**

दिनांक 8 से 10 दिसम्बर 2021 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर में आयोजित राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की बैठक में देश के दस राज्यों राजस्थान, झारखण्ड, गुजरात, तेलगांना, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली व मध्यप्रदेश की 35 एकल महिला नैतृत्कर्ताओं ने भाग लिया। बैठक मे 10 राज्यो से आई एकल महिला नैतृत्वतकर्ताओं ने एकल महिलाओं की समस्याओं, खासकर कोविड काल में आई

**अन्तोदय योंजना से वंचित एकल महिलाऐं**

तीन दिवसीय मंथन में एक मुख्य समस्या यह उभर कर आई कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद राज्य में अन्तोदय योजना से एकल महिलाओं को नही जोड़ा जा रहा है। संघर्ष मे जीवनयापन कर रही एकल महिला मुखिया परिवारों को राशन व खाद्य सामग्री की आपूर्ति नही हो रही है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और अधिकारों की अनदेखी के खिलाफ एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं ने संघर्ष की रणनिति बनाते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा बीपीएल विधवा महिलाओं को मात्र 200 रुपये पेशंन अनुदान देना अमानवीय है। एकल महिलाओं को आवास के लिए जमीन मुहैया करवाने की मॉग रखी गई, वही परिवार के युवाओं को आमदनी का जरिया नहीं मिलने पर चिंता जताई गई।

परेशानियों और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष की रणनिति पर मंथन किया।

तीन दिवसीय मंथन के समापन अवसर पर **पंजाब की दलजीत कौर ने बताया** : कि कोविड काल मे ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग एकल महिलाओं को कई आर्थिक परेंशानियॉ झेलनी पड़ी। उन्होंने नम आंखो से बताया कि उनके संगठन क्षेत्र मे 23 बुजुर्ग एकल महिलाओं का समय पर खाना व ईलाज नहीं मिलने से निधन हो गया। संगठन भी इन तक नही पहुॅच सका। दम तोड़ देने वाली महिलाओं की समाज या सरकार ने कोई गिनती भी नहीं की। दिल्ली की हीरावती ने बताया कि कोविड काल में काफी महिलाओं का घरों में काम छूट गया और अब तक काम नहीं मिल पाया। एकल महिलाओं के पास आमदनी का कोई जरिया नही है। घरेलू कामगारों की गिनती नही होने के कारण सरकार से इन्हें कोई सरकारी सुविधा भी नही पहुॅच पार रही है।

**जॉच तक नही हुई और मर गये लोग** : सलूम्बर की पार्वती बहन ने बताया कि आदिवासी क्षेत्र के सूदूर गांवो में लोग संक्रमित हुए लेकिन लॉकडाउन के चलते यातायात साधनों के अभाव में ईलाज के लिए कस्बों एवं शहर तक नही पहुॅच पाऐ। इलाज नही होने से बहुत से लोगो की मृत्यु हो गई। मृतको के परिवारों को कोई सहारा नहीं मिल पा रहा है। राजस्थान सरकार की घोषणा के बावजूद बिना दस्तावेज के सहायता मिलना मुश्किल है।

## प्रशासन गांवों के संग शिविरों मे भागीदारी –

राजस्थान सरकार द्वारा 20 से 30 सितम्बर, 2021 तक पंचायत स्तर पर प्रशासन गांव के संग अभियान की तैयारी हेतू हर राजस्व गांव के वार्ड सभा व ग्राम सभा आयोजित किये जाने हेतू तैयारी बैठके व प्रशिक्षण आयोजित किये गये। जिसमें लोगों को शिविर मे अपनी ज्यादा से ज्यादा समस्याऐं लाने व भागीदारी निभाने हेतू तैयारी बैठके की गई। जिसमें राज्य स्तर से पंचायत स्तर तक 65 एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं ने अपनी भूमिका निभाई। इसके साथ ही 02 अक्टूबर से 10 दिसम्बर 2021 तक होने शिविरों मे भी पंचायत स्तर पर एकल महिलाओं ने अपनी पूर्ण भागीदारी निभाई। संस्थान द्वारा लोगों को जागरुकर करने के लिए पर्चे छपवाकर उन्हे पंचायत स्तर पर वितरण किया गयां।

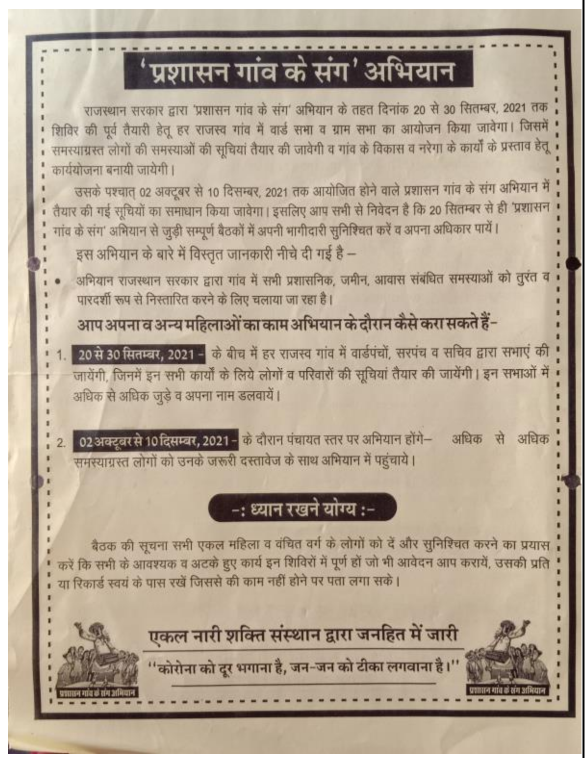
'प्रशासन गांव के संग' अभियान

राजस्थान सरकार द्वारा 'प्रशासन गांव के संग' अभियान के तहत दिनांक 20 से 30 सितम्बर, 2021 तक शिविर की पूर्व तैयारी हेतू हर राजस्व गांव में वार्ड सभा व ग्राम सभा का आयोजन किया जावेगा। जिसमें समस्याग्रस्त लोगों की समस्याओं की सूचियां तैयार की जावेगी व गांव के विकास व नरेगा के कार्यों के प्रस्ताव हेतू कार्ययोजना बनायी जायेगी।

उसके पश्चात् 02 अक्टूबर से 10 दिसम्बर, 2021 तक आयोजित होने वाले प्रशासन गांव के संग अभियान में तैयार की गई सूचियों का समाधान किया जावेगा। इसलिए आप सभी से निवेदन है कि 20 सितम्बर से ही 'प्रशासन गांव के संग' अभियान से जुड़ी सम्पूर्ण बैठकों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें व अपना अधिकार पायें।

इस अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है –

- अभियान राजस्थान सरकार द्वारा गांव में सभी प्रशासनिक, जमीन, आवास संबंधित समस्याओं को तुरंत व पारदर्शी रूप से निस्तारित करने के लिए चलाया जा रहा है।

**आप अपना व अन्य महिलाओं का काम अभियान के दौरान कैसे करा सकते हैं-**

1. **20 से 30 सितम्बर, 2021 -** के बीच में हर राजस्व गांव में वार्डपंचों, सरपंच व सचिव द्वारा सभाएं की जायेंगी, जिनमें इन सभी कार्यों के लिये लोगों व परिवारों की सूचियां तैयार की जायेंगी। इन सभाओं में अधिक से अधिक जुड़े व अपना नाम डलवायें।

2. **02 अक्टूबर से 10 दिसम्बर, 2021 -** के दौरान पंचायत स्तर पर अभियान होंगे– अधिक से अधिक समस्याग्रस्त लोगों को उनके जरूरी दस्तावेज के साथ अभियान में पहुंचाये।

**-: ध्यान रखने योग्य :-**

बैठक की सूचना सभी एकल महिला व वंचित वर्ग के लोगों को दें और सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि सभी के आवश्यक व अटके हुए कार्य इन शिविरों में पूर्ण हों जो भी आवेदन आप करायें, उसकी प्रति या रिकार्ड स्वयं के पास रखें जिससे की काम नहीं होने पर पता लगा सके।

**एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा जनहित में जारी**

"कोरोना को दूर भगाना है, जन-जन को टीका लगवाना है।"

प्रशासन गांव के संग अभियान

प्रशासन गांव के संग अभियान

# बन्धुआ मजदूर बच्चों को करवाया मुक्त

## (सफल केस स्टडी)

## ''वाकिफ कहा जमाना हमारी उड़ान से''....... चुन्नी बाई

चुन्नी बाई निवासी गांव फलोज पंचायत चांदसेन तहसील लालसोट जिला दौसा की निवासी है। चुन्नी बाई संगठन की बहुत पुरानी सदस्य व गरीब विधवा महिला है। चुन्नी बाई 06.09.2021 को अपने गांव के जंगल मे सुबह 9 बजे बकरियॉ चरा रही थी। ओर भी लोग वहा अपनी अपनी बकरिया चरा रहे थे। इतने मे कुछ 7–8 लड़के जंगल की पहाड़ी से भागे आ रहे थे। जिसमे उनकी उम्र लगभग 13, 15 व 19 साल के लगभग थी। उनको देखकर चुन्नी ने उनको टोका की कैसे आतंकवादियों की तरह भागे आ रहे हो, तो लड़को ने बताया कि हम बांसवाडा, डूंगरपुर के रहने वाले है ओर हमे एक ठेकेदार डिब्बे बनाने के काम की बोलकर लाया था। परन्तु हमें यहा डडवाडा पंचायत के पास डडवाडा फेक्ट्री है जिसमें काम के लिए रख कर चला गया। यहॉ फेक्ट्री मालिक हमसें दिन रात काम करवाता है। हम नही करना चाहते यहा से निकलना चाहता है, परन्तु वह बोलता है कि तुम्हारे ठेकेदार को 70,000 रु दियें है, हम तुम्हें नही जाने देंगे। हम वहा से बडी मुश्किल से भाग कर निकले है।

जब बच्चे अपनी बच्चे अपनी बात बता रहे थे उस समय 3–4 मोटर साइकिल पर फैक्ट्री मालिक के गुण्डे आ गये ओर बच्चों को जबरदस्ती बिठा कर ले गये। चुन्नी ने उन्हें टोका ओर बच्चों को छोड़ने के लिए बोला तो उन्होंने कहा कि अपना काम कर तुझे क्या लेना देना। हमनें पैसे देकर खरीदा है, तू ज्यादा नेतागिरी मत कर.....।

चुन्नी ने तुरन्त कोटा सस्थान के कार्यालय मे फोन लगाया सारी घटना बताई कोटा कार्यालय से दौसा एसडीए, चाईल्ड लाईन व जयपुर मे बाल अधिकारिता विभाग मे रीना शर्मा से बात की संगठन व संस्थान के प्रयास व दबाव से तुरन्त प्रभाव से कार्यवाही की ओर नाबालिक बच्चें दूसरे दिन एसपी के सामने प्रस्तुत किये व उनके माता पिता को सूचना दी। उन लोगो पर भी कानूनी कार्यवाही की गई। चुन्नी हिम्मत व साहस से उन बच्चों को बन्धूआ मजदूरी व शोषण से मुक्ति मिली। चुन्नी अपने गांव मे बहार जंगल मे रहती है, उसने अपनी जान की परवाह ना करते हुऐ बच्चों की मदद की अब चुन्नी बहुत खुश है कि उसका प्रयास सफल रहा।

## <u>सफल केस स्टडी</u>

# गांव मे महिला सशक्तिकरण की मिशाल महिला आटो चालक –पवनी

**यह राह कहा थी आसान, बस इतना समझ लिजिए बस आग का दरिया था और डूब के जाना था...**
पवनी गरासिया, उम्र–40 वर्ष अविवाहित एकल महिला पंचायत–मोरछ, प.सं. पिण्डवाड़ा, जिला–सिरोही की निवासी है। उसके परिवार में माता–पिता सहित 7 बहिन भाई है। पवनी के अलावा सभी का विवाह हो चुका है, उसकी दो बहिने अभी विधवा है, उनके विवाहित जीवन से उसे जो सबक मिला, उससे विवाह न करने का फैसला लिया। पवनी के पिता लघु किसान होने के बावजूद उन्होंने सबको पढाया लिखाया।

पवनी ने बारहवीं कक्षा पढ़ने के बाद 2013 से 2019 तक गांव की आंगनवाड़ी में आशा सहयोगिनी के पद पर कार्य किया, जब महिलाऐं पंचायत में किसी काम से आती थी तो वह वहॉ महिलाओं को काफी दुत्कार खाते देखती थी। पंचायत वाले ना तो बात सुनते न काम करते थे। उसके मन में उसे लगा कि मैं सरपंच बन पाऊ तो सभी महिलाओं का काम खुद कर सकती हूं। लेकिन वह उस समय आंगनबाडी मे कार्य करती थी। ज्यादा पंचायत वालों सें लड़ नहीं सकती वरना हटा दी जाती, लेकिन 2019 में जब चुनाव होना तय हुआ तो उसकी विचारधारा में बदलाव आया सरपंच पद पर खड़ी हुई मगर हार गई। उसी दौरान उसे लगा मेरा सब कुछ खत्म हो गया, तो उसने पुनः हिम्मत कर आंगनवाड़ी में अर्जी लगाई लेकिन खाली पद होने पर भी उसकी अर्जी अस्वीकार कर दी क्योंकि सरपंच पद पर खड़े होने के कारण सभी विरोधी हो गए थे। उसके पास जो रोजगार का साधन था। वह भी छीन चुका था। उसके घर में उसकी माता–पिता विधवा बहन व उसके 2 बच्चों की व स्वयं की जिम्मेदारी थी, परिवार में आर्थिक रूप से काफी समस्या होने लगी।

एक दिन उसने सोचा नोकरी के भरोसे नहीं रहना चाहिए, फिर उसने ऑटो चलाने की सोची एक पुराना ऑटो 1 लाख 30 हजार का ऋण लेकर खरीदा ओर स्वयं चलाने का प्रयास किया। धीरे –धीरे सवारी बैठाकर चलाने लगी और हिम्मत आने लगी। अब वह रोज 500–600 रुपये कमा लेती है। जिससे उसके परिवार का गुजारा चल रहा है, अब ऑटो का ऋण भी चुका लिया बची राशि से घर में किराणा की दुकान लगायी और अभी एक आटा चक्की भी खरीदी है। यह सब कुछ करना उसके लिए इतना आसान नही था, इसके लिए काफी **<u>चुनौतियॉ</u> आई–** पुलिस वाले आये दिन किसी ना किसी कारण से उसका चालान काट देते थे, स्टैण्ड पर पुरुष आटों वाले उससे कहते बिना नम्बर के जाने नही देंगे नम्बर लगाओं, ऐसें मे अकेली महिला कब तक वहा खड़ी रहती।

**<u>जब हम कोई दृढ निश्चय करले तो बदलाव को कोई नही रोक सकता –</u>** अब पवनी के ऑटों चलाने से उसकी एक मासी की लडकी मेघी ने भी यह कार्य शुरु किया। अब सारें पुलिस व ट्राफिक वालों की सोच बदली थानेदार ने सबको बोल दिया कोई महिला ऑटो चालक का चालान नही काटेगा, स्टैण्ड पर भी अब पुरुष ऑटो वाले कुछ नही कहते उनको बोल दिया कि जब तक कोई और महिला ऑटों चालक नही आती तब तक वह नम्बर मे नही लगेंगी, अब काम रोजगार को लेकर लोगो की सोच में बदलाव आया।

## अन्य संस्था संगठनों के साथ भागीदारी –

| क्र.सं. | दिनांक | कार्यक्रम का विवरण | संभागी |
|---|---|---|---|
| 1. | 5–6 जनवरी 2022 | सूचना रोजगार अभियान द्वारा जवावबदेही यात्रा कोटा मे 5 को बैठक व 6 को प्रेस कान्फ्रेस आयोजित की गई। | 100 एकल महिलाओं की सम्पर्क पोर्टल हेतू शिकायतें लिखी गई। |
| 2 | 21–22 फरवरी 2022 | जमीन के मुददें पर कार्यशााला, गांव काया जिला उदयपुर | 2 एंकल महिला लीडर्स |
| 3 | 7–8 मार्च 2022 | साईबर क्राईम व बच्चों पर राज्य स्तरीय कार्यशाला मे भाग लिया, जयपुर | 2 |

## संस्थान द्वारा किये गये कार्य के वार्षिक आंकडे

**एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान की एकल महिलाओं का विशाल समूह है जिसका नाम एकल नारी शक्ति संगठन है। जिसमें हजारों की संख्या में गरीब एकल महिलाऐं अपने समस्या समाधान व एक दूसरें की मदद के लिए जुड़ी हुई है। इस वर्ष संस्थान के सहयोग से एकल महिला नैतृत्वकर्ताओं ने अन्य एकल महिलाओं के सहयोग से एक दूसरे की मदद कर जो कार्य किये वह नीचे सारणी मे निम्नलिखित है –**

**नये एकल महिला जुड़ी :–5991**
**कुल एकल महिला सदस्यता :–83474**

**इस वर्ष पंचायत स्तर बैठको मे जुड़े संभागियों की संख्या –**

- **एकल महिला : 57729**
- **अन्य महिला : 12997**
- **पुरूष : 4696**
- **जनप्रतिनिधी : 3043**

| क.सं. | विवरण | | कुल योग |
|---|---|---|---|
| 1 | कितने पेंशन फार्म भरे | विधवा | 1980 |
| | | स्वीकृत हुए | 1354 |
| | | वृद्धावस्था | 1359 |
| | | स्वीकृत हुए | 777 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | परित्यकता | 266 |
| | | स्वीकृत हुए | 162 |
| | | विकलांग | 439 |
| | | स्वीकृत | 243 |
| 3 | कितनी रूकी हुई पेंशन शुरू हुई | विधवा | 1604 |
| | | वृद्धावस्था | 1085 |
| | | परित्यकता | 214 |
| | | विकलांग | 0 |
| 4 | कितनी एकल महिलाओं को संगठन ने सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं से लाभ दिलाने में मदद की | विधवा विवाह अनुदान का फार्म भरा | 1 स्वीकृत 0 |
| | | विधवा पालनहार योजना फार्म भरे | 1116 |
| | | स्वीकृत हुए | 538 |
| | | विधवा की पुत्री की शादी के फार्म भरे | 347 |
| | | स्वीकृत हुए | 259 |
| | | बी.पी.एल सूची में नाम जुड़वाया | 258 |
| | | स्वीकृत | 0 |
| | | राशन की दुकान से अनाज मिला | 2873 |
| | | काम/रोजगार मिला | 4251 |
| | | जॉब कार्ड बनवाये | 1314 |
| | | इन्दिरा आवास योजना के फार्म भरवाये | 1159 |
| | | स्वीकृत हुए | 644 |
| | | स्वास्थ्य लाभ हेतु–<br>1. मुफ्त दवा दिलवाई | 4285 |
| | | 2. ऑपरेशन करवाये | 228 |
| 5 | प्रमाण पत्र बनवाने मे सहयोग किया गया। | मृत्यु प्रमाण पत्र | 1234 |
| | | जन्म प्रमाण पत्र | 1105 |
| | | मूल निवासी प्र0 पत्र | 1071 |
| | | जाति प्रमाण पत्र | 1140 |
| | | आय प्रमाण पत्र | 892 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | विवाह पंजीयन करवाये | 253 |
| 6 | एकल महिलाओं के सामूहिक प्रयास ग्रामीण विकास कार्य करवाये गये। | हेड़पम्प लगवाये, | 198 |
| | | खरंचा बनवाया, | 70 |
| | | बिजली लगवायी | 144 |
| | | शौचालय बनवाये | 0 |
| | | भामाशाह कार्ड बनवाये | 0 |
| | | आधार कार्ड बनवाये | 0 |
| | | उज्जवला योजना में गैस कनेक्शन दिलवाये | 347 |
| | | अन्य | 0 |
| 7 | कितनी एकल महिलाओं को जानकारी एवं उचित मार्गदर्शन दिया | | 7817 |
| 8 | समझाईश के लिए कितने केस आये व किस प्रकार के? | | 683 |
| | कितने केसों में सफल समझाईश की? | | 102 |
| 9 | कितने महिला अत्याचार/ हिंसा के कितने केस आए | शारीरिक अत्याचार /हिंसा | 53 |
| | | मानसिक अत्याचार /हिंसा | 33 |
| | | यौनिक हिंसा | 5 |
| 10 | कितने महिला अत्याचार के कितने केस निपटाए | शारीरिक अत्याचार /हिंसा | 21 |
| | | मानसिक अत्याचार /हिंसा | 8 |
| | | यौनिक हिंसा | 3 |
| 11 | कितने जमीन संबधी केस आए | जमीन का बंटवारा | 63 |
| | | जमीन पर कब्जा | 19 |
| 12 | कितने जमीन संबधी केस निपटाए | जमीन का बंटवारा | 15 |
| | | जमीन पर कब्जा | 6 |
| | | अन्य | 11 |
| 13 | कितने इंतकाल खाते खुलवाए जाने मे सहयोग | | 65 |
| | | महिला अत्याचार **आया** | 45 |
| 14 | कितने पुलिस केस करवाए | महिला अत्याचार निपटाये | 16 |
| | | जमीन संबंधी | 17 |
| | | निपटाये | 5 |
| 15 | कितनी एकल महिलाओं ने संगठन की मदद से रीति–रिवाजों, समाज | एकल नारियों के लिए प्रतिबंधित रीति –रीवाजों में भाग लिया | 5255 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | द्वारा एकल महिला के लिए निर्धारित माप–दंड़ों में परिवर्तन लाया | बहना दूज कार्यक्रम मनाया गया। | 27 जिलो के 75 ब्लाक की 226 पंचायतों मे 5628 संभागियों ने भाग लिया। |
| 17 | कोरोना वेक्सीन के लिए जागरुक किया, संगठन के प्रयास से लगवाई गई वेक्सीन | कोरोना की वैक्सिन कितने लोगो ने लगवाई। | 16409 |
| 18 | सदस्यता समाप्ति के आकडे | कितनी एकल महिलाओ की संगठन से सदस्यता समाप्ति हुई | 41 |

## संस्थान सदस्यों द्वारा स्वयं अपने स्तर पर एकत्रित डोनेशन रिकार्ड 2021–2022

☞ सदस्यता शुल्क आम सदस्य, ब्लाक कमेटी, व संस्थान आमसभा : **1,57,996.00**

☞ बहिनादूज कार्यक्रम केश व काईन्ड के रुप मे डोनेशन : **1,22,045.00**

.........................................................

**इस वर्ष का कुल डोनेशन = 280,041.00**

## संस्थान द्वारा इस वर्ष के प्रकाशन

इस वर्ष एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा दो पेम्फलेट्स जिसमे प्रशासन गांवो के संग अभियान व बहिनादूज जश्न बहिनचारें का पेम्पलेट्स प्रकाशित किया गया। जिसके द्वारा बहिनों ने अपने क्षेत्र मे एकल महिलाओं व अन्य लोगों को जागरुक किया।

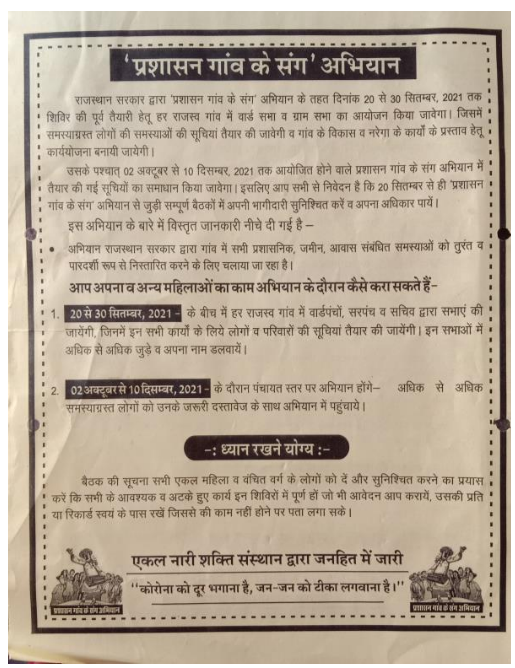

'प्रशासन गांव के संग' अभियान

राजस्थान सरकार द्वारा 'प्रशासन गांव के संग' अभियान के तहत दिनांक 20 से 30 सितम्बर, 2021 तक शिविर की पूर्व तैयारी हेतू हर राजस्व गांव में वार्ड सभा व ग्राम सभा का आयोजन किया जावेगा। जिसमें समस्याग्रस्त लोगों की समस्याओं की सूचियां तैयार की जावेगी व गांव के विकास व नरेगा के कार्यों के प्रस्ताव हेतू कार्ययोजना बनायी जायेगी।

उसके पश्चात् 02 अक्टूबर से 10 दिसम्बर, 2021 तक आयोजित होने वाले प्रशासन गांव के संग अभियान में तैयार की गई सूचियों का समाधान किया जावेगा। इसलिए आप सभी से निवेदन है कि 20 सितम्बर से ही 'प्रशासन गांव के संग' अभियान से जुड़ी सम्पूर्ण बैठकों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें व अपना अधिकार पायें।

इस अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है –

- अभियान राजस्थान सरकार द्वारा गांव में सभी प्रशासनिक, जमीन, आवास संबंधित समस्याओं को तुरंत व पारदर्शी रूप से निस्तारित करने के लिए चलाया जा रहा है।

**आप अपना व अन्य महिलाओं का काम अभियान के दौरान कैसे करा सकते हैं-**

1. **20 से 30 सितम्बर, 2021 -** के बीच में हर राजस्व गांव में वार्डपंचों, सरपंच व सचिव द्वारा सभाएं की जायेंगी, जिनमें इन सभी कार्यों के लिये लोगों व परिवारों की सूचियां तैयार की जायेंगी। इन सभाओं में अधिक से अधिक जुड़े व अपना नाम डलवायें।

2. **02 अक्टूबर से 10 दिसम्बर, 2021 -** के दौरान पंचायत स्तर पर अभियान होंगे– अधिक से अधिक समस्याग्रस्त लोगों को उनके जरूरी दस्तावेज के साथ अभियान में पहुंचाये।

**-: ध्यान रखने योग्य :-**

बैठक की सूचना सभी एकल महिला व वंचित वर्ग के लोगों को दें और सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि सभी के आवश्यक व अटके हुए कार्य इन शिविरों में पूर्ण हों जो भी आवेदन आप करायें, उसकी प्रति या रिकार्ड स्वयं के पास रखें जिससे की काम नहीं होने पर पता लगा सके।

**एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा जनहित में जारी**

"कोरोना को दूर भगाना है, जन-जन को टीका लगवाना है।"

प्रशासन गांव के संग अभियान

# <u>महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र – कोटा</u>

**राजस्थान सरकार द्वारा 2011 मे महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, कोटा शहर संचालित करने की जिम्मेदारी एकल नारी शक्ति संस्थान को दी गई है। संस्थान पिछले 12 सालो से केन्द्र का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। व इस वर्ष 1 अप्रेल 2021 से 31 मार्च 2022 तक महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र पर हुऐ मुख्य कार्य का विवरण –**

**<u>विशेंष</u> केन्द्र को इस वर्ष 500 प्रकरण प्राप्त हुऐ जिनमें सलाह, परामर्श व मार्गदर्शन देकर समस्या का निदान किया गया। मुख्य रुप से कुछ आकड़े है –**

- **500 केन्द्र पर आने वाली पिड़ित महिलाओ कों सलाह, परामर्श व मार्गदर्शन देकर समस्या का निदान किया गया।**
- **17 महिलाओ को स्त्रीधन दिलवाने मे सहयोग।**
- **3 महिलाओं की डीआईआर भरी घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत् केस कोर्ट मे प्रकियाधीन है।**
- **31 महिलाओ को उनके बच्चो की अभिरक्षा संरक्षण दिलवाया।**
- **30 एफआईआर व पुलिस परिवाद दर्ज करवाने मे सहयोग जिनमे समस्या आ रही थी।**
- **2 निराश्रित महिलाओं को आश्रय दिलवाया।**
- **201 महिलाओं को वैवाहिक घर मे रहने के महिला अधिकारो का संरक्षण।**
- **3 महिलाओ को विधिक सहायता दिलवायी।**
- **कोरोना काल मे एकल महिलाओं को अन्य संस्था/संगठनो द्वारा राशन सामग्री का सहयोग करवाया व अन्य विभिन्न प्रकार की समस्या मे सलाह, मार्गदर्शन व परामर्श के माध्यम से पिड़ित महिलाओं को सहयोग किया।**

**<u>विशेष टिप्पणी –</u>** एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा कोटा शहर मे संचालित महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र पिड़ित महिलाओं को न्याय दिलवाने व सम्मानपूर्ण जीवन जीने मे बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केन्द्र के कार्य को देखते हुए पिड़ित महिलाओं में एक विश्वास जगा है। जिससे केन्द्र पर आने वाली पिड़ित महिलाओं की संख्या प्रतिवर्ष बढती जा रही है। पिछलें वर्ष पूरे वर्ष मे 297 मे <u>मामले/प्रकरण</u> केन्द्र पर आये, और पिछले वर्ष की तुलना मे यह दुगने हो चुके है। इस वर्ष केन्द्र पर आने वाले प्रकरणों की संख्या 500 है।

# इस वर्ष संस्थान के मुख्य मुद्दें ,उपलब्धियॉ, सीख व चुनौतियॉ –

## ❒ इस वर्ष संस्थान के कार्य करने के मुख्य मुद्दें निम्नलिखित रहे –

- कोराना काल मे अधिक से अधिक लोगों को सहयोग व राहत पहुँचाने मे सहयोग।
- आजिविका, रोजगार व किसान महिलाओं के सशक्तिकरण का मुद्दा।
- अधिक से अधिक एकल महिला व वंचित लोगों को नरेगा, खाद्य सुरक्षा व पोषाहार जैसी सामाजिक सुरक्षा योंजनाओ से जोड़ना।
- स्वास्थ्य का मुद्दा।
- एकल महिला क्षमतावर्धन करना व नये नैतृत्वकर्ताओं की पहचान।
- अधिक से अधिक गरीब एकल महिलाओं तक संस्थान की पहुॅच व पिड़ित एकल महिलाओं व अन्य वंचित वर्ग की समस्या का समाधान करना, व उनको उनका अधिकार दिलवाने का प्रयास।

## ❒ उपलब्धियॉ –

1. बहिनादूज कार्यक्रम स्वयं बहिनों द्वारा अपने स्तर पर स्थानीय डोनेशन से धूमधाम से मनाया गया जो कि सफल रहा।
2. इस वर्ष कोरोना कम होने के कारण पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष संस्थान गतिविधिया अधिक हो पाई जिससें एकल महिलाओं मे वापस जोश आया व काम की गति भी बढी। नये सदस्य इसी साल अधिक बने।
3. कोविड रिलिफ वर्क के कारण 100 से अधिक पंचायतों मे संस्थान पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व सहयोगी कार्यकर्ताओं का सीधा सम्पर्क हुआ। यह संस्थान कार्यक्षेत्र का 22 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र है।
4. कोविड रिलिफ फन्ड से संस्थान द्वारा 35 ब्लाकों मे कार्यकारिणी सदस्यों व एकल महिला ब्लाक नैतृत्वकर्ताओं ने सामग्री वितरण हेतू सामग्री खरीदना, ट्रांसपोटेशन व्यवस्था, सामग्री वितरण हेतू व्यवस्था बनाना आदि कार्य सीखा जोकि संस्थान /सगठन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण हैं
5. एनीमिटर्स व वोलियन्टर्स ने अपने काम के साथ सोशल मिडिया का उपयोंग बढाया जिसमें ऑन लाईन मिटिंग, वाहटसप ग्रुप मे शेयरिंग विडियो कालिंग से मिटिंग मे भागीदारी आदि बढी।
6. यदि कार्यक्रम के लिए बाहर से चन्दा नही मिल रहा तो संगठन की सदस्याऐं स्वयं संगठन की गतिविधी के लिए चन्दा दे रही है,,जैसे बहिनादूज पर कही डोनेशन नही मिला तो स्वयं एकल महिलाओं ने चन्दा दिया और उत्सव मनाया, तो यह संस्थागत मजबूती बढी है क्योंकि सदस्यों का कानट्रीब्यूशन आर्थिक रुप से भी बढा।
7. नेटवर्किगं मजबूत हुई – स्कूल फोर डेमोक्रेसी, एफईएस, राईट टू फूड केम्पेन, सूचना व रोजगार अभियान, मकाम, कोरो, एन्टीकरप्शन ब्यूरो, पुलिस विभाग के साथ।
8. संगठन सदस्यों द्वारा पिछले डेढ वर्ष से खाद्य सुरक्षा पोर्टल खोलने हेतू लगातार हजारों पोस्ट कार्ड व सैकडो ज्ञापन सरकार को भेजे गये और इसके लिए काफी प्रयास किया। राजस्थान सरकार द्वारा 1 अप्रेल 2022 को खाद्य सुरक्षा पोर्टल खोला गया। इसमें संगठन का बहुत विशेष योगदान रहा।

**विशेष अचीवमेन्टस रहा कि** – संस्थान व संगठन सदस्यों की अलग–अलग स्तर पर मजबूती बढ रही है, एकल महिला नैतृत्वकर्ता कार्यक्रम आयोजन, संचालन व चन्दा तक लाने के कार्य मे भागीदारी निभा रहे है।

नये युवा लीडर्स को आगे आने का मौका मिला है। रिलिफ वर्क के माध्यम से लीडर्स को एक दूसरे के फिल्ड मे जानें का समझने को मौका मिला। पंचायत स्तर के लीडर्स ने सक्रियता से भागीदारी निभाई।

## ❒ सीख –

1. सोशल मिडिया उपयोग बढा, ग्रुप शेयरिंग बढी।
2. रिलिफ वर्क से लाभार्थी लिस्ट बनाना, कोटेशन लेना, सामग्री वितरण, व्यवस्था बनाना आदि नया अनुभव वाला कार्य लीडर्स ने सीखा।
3. एकल महिला की समस्याओं को लेकर एडवाकेसी के लिए मंत्री सचिवों से नही मिल पाये तो पंचायत व ब्लाक स्तर पर पोस्टकार्ड अभियान, हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से सरकार तक अपनी समस्याऐ पहुचाई।

## ❒ चुनौतियां –

- पिछले दो वर्षो मे गांवो मे पहॅुच के लिए ट्रांसपोटेशन की कमी व किराया बढना व महंगाई बढने से संस्थान एनीमिटिरस व वोलियन्टर्स के लिए चुनौतिपूर्ण रहा। कई पुराने एनीमिटरर्स क्षेत्र मे आने जाने व स्वास्थय की दृष्टि से कार्य छोड़ दिया।
- कोविड के कारण ज्यादा सामूहिक गतिविधियों का नही हो पाना, जिससे कई ब्लाकों के काम पर असर हुआ और कुछ ब्लाक का कार्य भी कुछ समय के लिए बन्द हुआ ।
- नये काम की शुरुआत करना जैसे महिला किसान कार्य, राहत सामग्री वितरण कार्य व कोविड मे राहत हेतू केश ट्रांसफर का कार्य जो पहले कभी नही किया। उसे सीखना और अनुभव से आगे लेकर जाना।
- कोरोना के कारण सामूहिक गतिविधियॉ आयोजित नही हो पाना।
- राजस्थान सरकार का खाद्य सुरक्षा पोर्टल बन्द होने के कारण एकल महिलाऐं पिछले 2 साल से नयें नाम जुड़वाने के लिए परेशान हो रही थी। इसके लिए लगातार प्रयास किया गया पर काफी लम्बे समय के बाद सरकार ने यह पोर्टल खोला।
- एक केस महिला एंव बाल विकास विभाग का जिसमें महिला सुपरवाईजर द्वारा रिश्वतखोंरी का केस राजनैतिक व प्रशासनिक संरक्षण के काफी चुनैातिपूर्ण बन गया है। जिसके लिए पिछले तीन साल से यह मामला लगातार प्रक्रिया मे है।

# मिडिया कवरेज

दैनिक भास्कर

जयपुर, मंगलवार 9 नवंबर, 2021 | 14

## महिलाओं ने हिंसा सहन नहीं करने की शपथ ली

भास्कर न्यूज. टोंक

एकल नारी शक्ति संगठन की ओर से सोमवार को भेरूपुरा भूतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बहनादूज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी एकल महिलाओं ने प्रधानमंत्री के नाम मांगपत्र तैयार कर रजिस्टर्ड पोस्ट की और मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड में अपनी समस्याएं लिखकर पोस्ट कीं।

टोंक एकल नारी शक्ति संगठन की ओर से आयोजित बहना दूज कार्यक्रम में मौजूद एकल महिलाएं।

### चारभुजा नाथ को लगाया अन्नकूट का भोग

### हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए मतदान

युवा . रोजगार . अवसर

हाड़ौती में तो सन् 1870 में महिलाओं को संपत्ति में अधिकार देने का लिखित कानून बना दिया था

कानून ने बेटियों को दिया पैतृक संपत्ति का हक...जबकि

## राखी पर दीगोद तहसीलदार की अपील बहनों से स्वैच्छिक हक त्याग करवाइए

• दिलीप सिंह प्रजापति, तहसीलदार, दीगोद

बहनें हक त्यागना चाहती हैं, पर खातेदार समय पर

विधायिका सकारात्मक सोच से कानून बनाती है, बेटी का हक है, वह रखे या छोड़े उसकी मर्जी

राष्ट्रदूत हिण्डौन सिटी, 19 अक्टूबर, 2021

मारपीट का मामला दर्ज करवाया

## महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा

दैनिक नवज्योति

दैनिक नवज्योति | सिटी लाइट

कोरोना काल में घरेलू हिंसा के मामले बढ़े | महिला सुरक्षा व सलाह केंद्र व थाने में आ रहे सबसे ज्यादा मामले

## महिलाएं बोली गलतियां बर्दाश्त न करें, उठाएं आवाज

अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस

Exclusive

राजस्थान पत्रिका

रविवार, 14 नवम्बर, 2021 | 09

## नारी शक्ति संगठन ने मनाया बहन दूज कार्यक्रम

भादरा के आर्य समाज भवन में बहन दूज कार्यक्रम में सम्मिलित महिलाएं।

भादरा. स्थानीय आर्य समाज भवन में एकल नारी शक्ति संगठन राजस्थान की ओर से बहिना दूज उत्सव का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नेहरू युवा ग्रामीण विकास समिति के अध्यक्ष विरेन्द्र नेहरा ने किया। कार्यक्रम समन्वयक रेखा शर्मा ने एकल नारी संगठन की 21 वर्ष की उपलब्धियों एवं एकल महिलाओं के अनुभव बताते हुए बहन दूज कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। भादरा में दूसरी बार आयोजित बहन दूज कार्यक्रम में जुल्फेन शेख, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संजू गोड़, आशा सहयोगिनी कान्ता, संतोष सैनी, सरस्वती देवी ने उपस्थित महिलाओं को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधे। कार्यक्रम में एकल नारी की समस्याओं पर चर्चा की गई। खाद्य सुरक्षा में नाम जुड़वाने व मुख्यमंत्री के नाम महिला उत्पीड़न व शोषण से सुरक्षा की मांग को लेकर ज्ञापन तैयार किया गया। महिलाओं ने एक दूजे के सहयोग बिना बदलाव अधूरा है के नारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

राष्ट्रदूत हिण्डौन सिटी, 19 अक्टूबर, 2021

मारपीट का मामला दर्ज करवाया

महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा

बयाना में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करती महिलाएं।

कोटा। गुरुवार 11 नवंबर 2021

चम्बल संदेश

## एकल नारियों ने मनाई बहिनादूज

प्रधानमंत्री के नाम भेजे पोस्टकार्ड

संदेश न्यूज। कोटा. नारी व नौनी के साथ बुधवार को एकल नारी शक्ति संगठन द्वारा व जिला महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग से बहिनादूज कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया।

ट्रेजरी से जलदाय विभाग कर्मचारी के खाते में ट्रांसफर की 37 लाख की राशि